

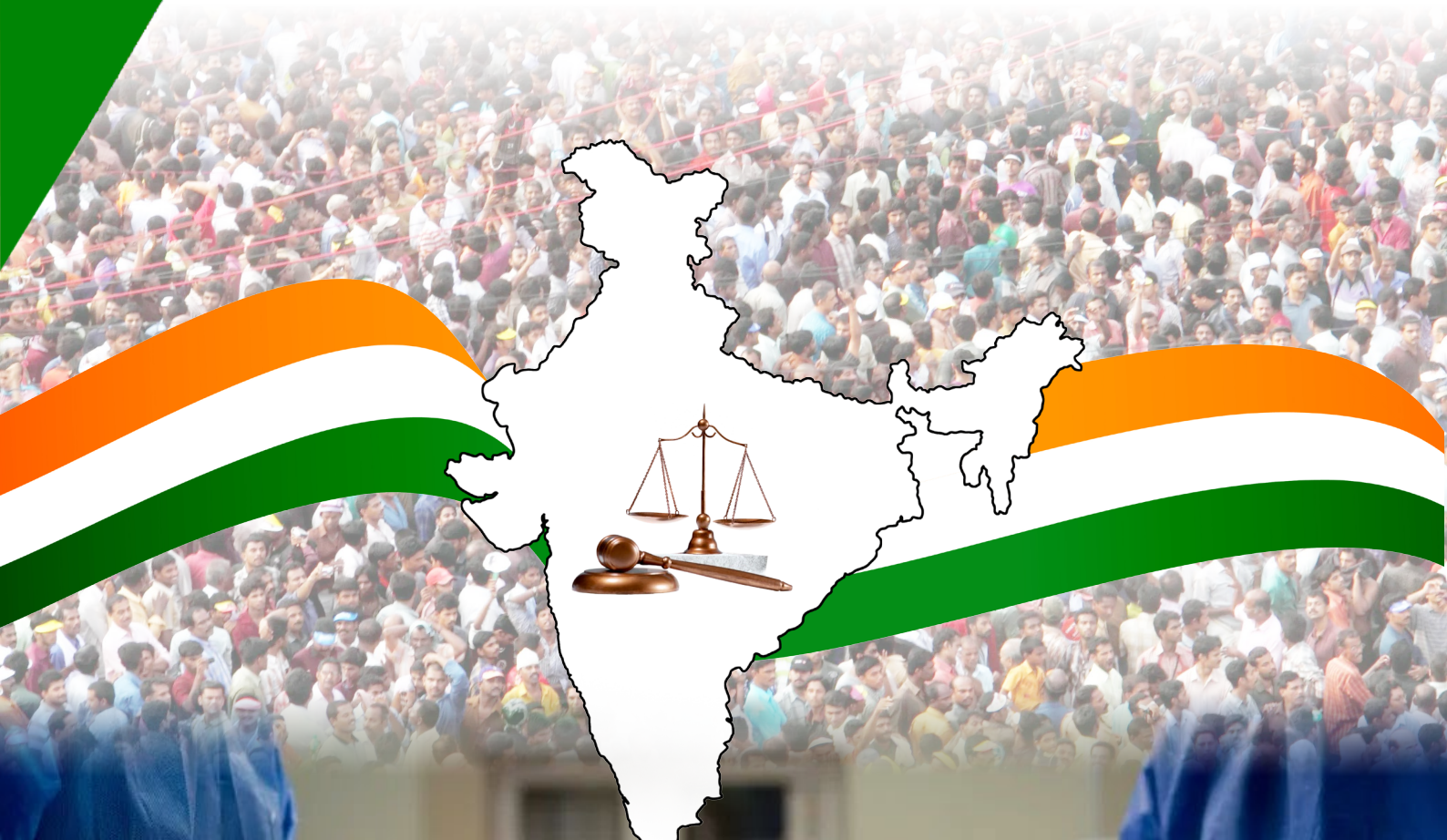


# MEDICAL PROFESSIONALS





गृह मंत्रालय  
MINISTRY OF  
HOME AFFAIRS



# चिकित्सा प्रोफेशनल



## The New Criminal Laws provide a legal framework to protect medical practitioners from unnecessary harassment

- BNS, 2023 safeguards health care providers from unnecessary harassment.
- 106(1) BNS, 2023 specifies that a registered medical practitioner (RMP) shall be punished with imprisonment for up to two years and a fine for medical negligence. BNS provides lesser punishment for medical practitioners for causing death by rash or negligent act while performing any medical procedure.
- Section 51(3) requires the medical practitioner to forward, without any delay, the examination report of the accused to the investigating officer.
- The registered Medical Practitioner is required to forward the report of medical examination of the rape victim to the investigating officer within a period of seven days.
- To prevent any contamination and the concomitant prospect of diminishment in the value of the sample, the aspect “without any delay” is strongly emphasized under section 52 BNSS.



## नए आपराधिक कानून चिकित्सकों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाने के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं

- बीएनएस, 2023 स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाता है।
- 106(1) बीएनएस, 2023 निर्दिष्ट करता है कि एक पंजीकृत चिकित्सक (आरएमपी) को चिकित्सीय लापरवाही के लिए दो साल तक की कैद और जुर्माने से दंडित किया जाएगा। किसी भी चिकित्सा प्रक्रिया को निष्पादित करते समय जल्दबाजी या लापरवाही से मौत का कारण बनने वाले चिकित्सकों के लिए बीएनएस कम सजा का प्रावधान करता है।
- धारा 51(3) के अनुसार चिकित्सक को बिना किसी देरी के आरोपी की जांच रिपोर्ट जांच अधिकारी को भेजनी होगी।
- बलात्कार पीड़िता की मेडिकल जांच की रिपोर्ट पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर को सात दिनों की अवधि के भीतर जांच अधिकारी को भेजनी होगी।
- बीएनएसएस की धारा 52 में नमूने के दूषित होने और उसकी उपयोगिता में कमी की संभावना को रोकने के लिए 'बिना किसी देरी के' पहलू पर दृढ़ता से जोर दिया गया है।

